भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 923
दिनांक 25.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

जी-7 शिखर बैठक में प्रधानमंत्री की भागीदारी

923. **श्री कोडिकुन्नील सुरेशः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत के प्रधानमंत्री ने जून, 2025 में कनाडा के कनानास्किस में आयोजित 51वीं जी-7 शिखर बैठक में भाग लिया और यदि हाँ, तो उन्होंने उक्त शिखर बैठक में किस हैसियत से भाग लिया;

(ख) प्रधानमंत्री द्वारा शिखर बैठक के दौरान विशेषकर वैश्विक दक्षिण, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, सतत विकास और आतंकवाद-निरोध के संबंध में उठाए गए मुद्दों का प्रमुख ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारत द्वारा प्रौद्योगिकी की समान पहुंच, जलवायु वित्तपोषण और वैश्विक सुरक्षा पर प्रस्तुत विचारों को जी-7 सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त हुआ और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त शिखर बैठक से भारत को सीधे लाभ पहुँचाने वाले प्रमुख निष्कर्ष या समझौते कौन-कौन से हैं; और

(ङ) इन निष्कर्षों को राष्ट्रीय हित एवं कूटनीतिक सहयोग के लिए लाभकारी रूप से उपयोग में लाने हेतु सरकार द्वारा क्या अनुवर्ती कार्रवाई की योजना बनाई गई है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क से ङ) जी हाँ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर कनाडा के अल्बर्टा के कनानास्किस में 16-17 जून 2025 को आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में आधिकारिक रूप से बतौर आउटरीच पार्टनर भाग लिया।

जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने समावेशी और सतत विकास, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और नागरिकों को सशक्त बनाने में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की भूमिका सहित प्रमुख मुद्दों पर बात की। उन्होंने भारत की वैश्विक पहलों जैसे अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, मिशन लाइफ, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, एक सूर्य एक विश्व एक ग्रिड पर ज़ोर दिया। माननीय प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक रूप से एक होने का आह्वान किया। उन्होंने ग्लोबल साउथ की आवाज़ को बुलंद करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

दो निष्कर्ष संबंधी दस्तावेज़ों को अंगीकृत किया गया (i) 'कनानास्किस वाइल्डफ़ायर चार्टर' और (ii) 'जी7 क्रिटिकल मिनरल्स एक्शन प्लान'।

*****